

महत्त्व पर प्रकाश डाला। चैयरमैन डॉ. विनय सिंह चौहान विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि यह यात्रा ओडिशा के पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ, बड़े बाबू बलभद्र और बहन सुभद्रा के भव्य रथों के साथ निकाली जाती है। मान्यता के कि रथ यात्रा के दौरान भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं और उनके दर्शन करने तथा रथ खींचने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।